श्री गणेशाय नमः

सेवा में

मानीय श्री राहुल गाँधी जी,

आप बनारस मे आये और रिक्सा चालकों से आप ने बात

चित किया उस बात चित मे एक रेक्सा चालक

मैं भी था

और प्रभु कृपा से एक भारत माँ की एक कविता भी

हमने आप के आदेश अनुसार वह कविता सुनाई

वह कविता हमारे गरिबी कि विनती थी

और हमारी पीड़ा यही थी कि मेरा देश वैभव शाली

गौरव शाली उन्नत ~~शाह~~ शाली होते हुए भी

मैं गरिब क्यों हुं गरिबी एक ऐसी पीड़ा है जो आत्म हत्या

करने पर मजबूर करता है।

माननीय श्री राहुल गाँधी जी आप कॉग्रेस पार्टी के

उमीद वार नेता माननीय प्रधान मंत्री जी है।

हमारे प्रधान मंत्री जी मैं अगर मालवीय जी की भावना को

हृदय से लगाओ तो आप सदैव प्रधान मंत्री पद पर

आजीवन भारत माँ कि सेवा मे नियुक्त रहेंगे

सेवा तभी होगा

जब हमारा सोच मालवीय जी जैसा होगा

मालवीय जी भीख माँग कर, काशि हिन्दु विश्व विद्यालय का

निर्माण किया

मालवीय जी की भावना का अर्थ है। जन हित

जन हित कि एक कविता है वह मालवीय जी की

एक भावना है।

मालवीय जी की भावना यह है

मालवीय जी की भवना कि एक कविता यह है

मालवीय जी की भावना बुद्ध इस प्रकार है सज्जनों

वह शक्ति हमें दो दयानिधे, कर्तव्य मार्ग पर डट जावें ।
पर सेवा पर उपकार में हम, निज जीवन सफल बना जावें ॥
हम दीन दुखी निबलों, विकलों के सेवक बन संताप हरें ।
जो हैं अटके भूले भटके, उनको तारें खुद तर जावें ॥
छल, दम्भ, द्वेष, पाखण्ड, झूठ, अन्याय से नित्यदिन दूर रहें ।
जीवन हो शुद्ध सरल अपना, सुचि प्रेम सुधा रस बरसावें ॥
निज आन मान मर्यादा का, प्रभु ध्यान रहे अभिमान न रहे ।
जिस राष्ट्र-धर्म में जन्म लिया, बलिदान उसी पर हो जावें ॥

(2) जो यह कविता को हृदय से साकार करेगा
वही भारत भाग्य विधाता होगा

तब → जन गण मन अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता

मालवीय जी की भावना को इस कविता के माध्यम से देश का कल्याण करें

(3) मालवीय जी भीख माँग के हम लोगों का कल्याण किया
और अपना भी कल्याण किया
लोक परलोक दोनों बनाया भीख माँग के

(4) हे मेरे देश के नौजवान जरा समझो
मालवीय जी भीख माँग के हमारा आपका कल्याण किया
तो जरा विचार करो आई
भीख माँगने वाले मालवीय जी, देश सेवा करते हैं
तो हम आप जनता से टैक्स लेकर देश सेवा क्यों नहीं कर सकते

⑤ जनता का पैसा जनता को प्राप्त होगा
तब हृदय का संताप पीड़ा दुःख दुर होगा

⑥ प्रथम मैं देश का नागरिक हुं
बाद में रिक्सा चालक हुं अपने दुःखों को व्यक्त करता हुआ अपने देश अपने जन समुदाय को प्रणाम करता हुं हम में से कोई एक भारत भाग्य विधाता होगा जो मेरे संताप कष्टों व पीड़ा को दुर कर सकेगा

सौजन्य से

मेरा नाम सुनील कुमार सहनी है
हमारा पक्का पता= पुराना रामनगर मलाहिया टोला
बलुआ घाट वाराणसी
मकान नं० 4/760
मो० 9651084016